उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-१६६ वा | गुरूवार १६ जनवरी २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

वाल्मिक कराड को ७ दिन की पुलिस हिरासत, कल, फिरौती,के साथ बाहेर देश में जायदाद कि भी होगी जांच।

वाल्मिक कराड की विदेश में संपत्तियों की जांच

सरकारी वकील ने कोर्ट से कराड को १० दिन की पुलिस कस्टडी में भेजने की मांग की, लेकिन कोर्ट ने ७ दिन की पुलिस हिरासत दी।

एसआईटी ने यह भी दावा किया कि वाल्मिक कराडने हत्या के दिन ही संतोष देशमुख को धमकी दी थी।

एसआईटी के चौंकाने वाले दावे - क्या संतोष देशमुख की हत्या फिरौती में बाधा बनने के कारण हुई?

न्यायालय परिसर में ही नारेबाजी

वाल्मिक कराड को बीड़ न्यायालय से ले जाते समय, न्यायालय के दरवाजे पर ही आरोपियों को फांसी दो के नारे लगाए गए। हेमा पिंपले और अन्य लोगों ने नारेबाजी शुरू की, जिसके बाद वाल्मिक कराड के समर्थकों ने भी जोरदार नारेबाजी करते हुए वाल्मिक कराड के खिलाफ लगे झूठे आरोप वापस लो की मांग की। इस कारण कुछ समय के लिए न्यायालय परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया।

बीड़ । संवाददाता।

सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड की जांच के लिए एसआईटी (SIT) टीम ने वाल्मिक कराड की पुलिस कस्टडी की मांग की थी। इसके अनुसार, बीड़ सेशन कोर्ट ने मकोका मामले में आरोपी वाल्मिक कराड को ७ दिन की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इसके बाद, जब आरोपी कराड को कोर्ट से पुलिस वैन में ले जाया जा रहा था, तो कोर्ट के बाहर भारी हंगामा देखने को मिला। कुछ लोगों ने कराड के समर्थन में नारेबाजी की, जबकि कुछ ने उसके विरोध में नारे लगाए।

राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) की महिला कार्यकर्ता एडवोकेट हेमा पिंपले ने गृहमंत्री को बीड़ आने की मांग करते हुए नारेबाजी की। वहीं, कुछ वकीलों ने संविधान का हवाला देते हुए कहा कि कराड के खिलाफ झूठे आरोप लगाए गए हैं। इस कारण, कोर्ट के बाहर भारी तनाव का माहौल बन गया।

बीड़ सेशन कोर्ट ने वाल्मिक कराड को २२ जनवरी तक एसआईटी की कस्टडी में भेज दिया है। सुनवाई के बाद, जब एसआईटी टीम कराड को कोर्ट से बाहर लेकर आई, तब भी हंगामा जारी रहा। कोर्ट के बाहर वकील दो गुटों में बंटे नजर आए।

एक महिला वकील ने वाल्मिक कराड को फांसी देने की मांग की, जबकि एक अन्य वकील ने कहा कि कराड के खिलाफ राजनीतिक दबाव में झूठे आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन के जरिए दबाव बनाया जा रहा है। बाद में, पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने हंगामा कर रहे प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

जांच में चौंकाने वाले खुलासे

आज वाल्मिक कराड के खिलाफ मकोका केस की सुनवाई हुई। इसमें बताया गया कि ९ दिसंबर को जब सरपंच संतोष देशमुख की हत्या हुई थी, उस दिन दोपहर ३:२० से ३:३० के बीच सुदर्शन घुले, विष्णु चाटे और वाल्मिक कराड के बीच फोन पर बातचीत हुई थी।

एसआईटी का कहना है कि देशमुख के अपहरण का समय और इन तीनों आरोपियों की फोन कॉल का समय एक जैसा है।

इसके अलावा, सरकारी वकील ने कोर्ट में वाल्मिक कराड के खिलाफ दर्ज पुराने अपराधों की पूरी सूची पेश की। अन्य आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड भी कोर्ट में रखे गए।

विशेष रूप से, फरार आरोपी कृष्णा आंधले का अब तक कोई पता नहीं चला है। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि क्या कराड ने उसे छिपाने में कोई भूमिका निभाई थी।

इसके अलावा, सुदर्शन घुले और विष्णु चाटे लंबे समय तक फरार थे, उन्हें किसने मदद की, इसकी भी जांच चल रही है।

बीड़ जिले के मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के पीछे क्या कारण था और इसमें कौन शामिल था, यह सवाल पूरे महाराष्ट्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इस मामले की जांच कर रही सीआईडी (CID) के साथ-साथ एसआईटी (SIT) ने आज वाल्मिक कराड को कोर्ट में पेश करते हुए कई बड़े खुलासे किए।

एसआईटी ने बताया कि यह हत्या और फिरौती का मामला आपस में जुड़ा हुआ है।

एसआईटी के अनुसार, अवादा कंपनी से जबरन वसूली की जा रही थी, लेकिन कंपनी ने फिरौती देने से इनकार कर दिया।

चूंकि संतोष देशमुख फिरौती के लिए बाधा बन रहे थे, इसलिए उनकी हत्या कर दी गई।

आज एसआईटी ने कोर्ट में ७ बड़े दावे पेश किए।

एसआईटी ने यह भी बताया कि सुदर्शन घुले, वाल्मिक कराड और विष्णु चाटे ने अवादा कंपनी के अधिकारियों को धमकाया था, लेकिन फिरौती नहीं मिल सकी।

संतोष देशमुख ने अवादा कंपनी का समर्थन किया और सुदर्शन घुले को चुनौती दी, इसलिए वाल्मिक कराड और अन्य आरोपियों ने उनकी हत्या कर दी।

एसआईटी की इन चौंकाने वाली जानकारियों के बाद यह मामला और गंभीर हो गया है।

टैक्सी-रिक्शा किराए की पहली स्लैब एक किलोमीटर करें

जनता दल की मांग

मुंबई । विशेष संवाददाता

महंगाई से आम जनता पहले ही परेशान है और कर्ज के बोझ में दबती जा रही है। ऐसे में टैक्सी और रिक्शा किराए में बढ़ोतरी की मांग को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही, यात्रियों के हितों को ध्यान में रखते हुए किराए की पहली स्लैब (स्टार्टिंग स्लैब) १.५ किलोमीटर के बजाय १ किलोमीटर से शुरू की जानी चाहिए। यह मांग जनता दल सेक्युलर (मुंबई) पार्टी ने की है।

टैक्सी-रिक्शा किराया बढ़ाने की मांग के खिलाफ विरोध

टैक्सी-रिक्शा मालिक संगठनों ने किराए में बढ़ोतरी की मांग की है। लेकिन हाल के दिनों में सीएनजी के दामों में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। दूसरी ओर, आम आदमी पहले से ही महंगाई की मार झेल रहा है। इसलिए, सरकार को किराया बढ़ाने की मांग को खारिज कर देना चाहिए।

इस संबंध में जनता दल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को पत्र लिखा है।

पार्टी का कहना है कि सरकार आमतौर पर किराए में बढ़ोतरी करते समय यात्रियों के हितों की अनदेखी करती है।

चाहे वह वेटिंग चार्ज लगाने का मामला हो या रात में अधिक किराया वसूलने की अनुमति देने का मुद्दा हो।

सरकारी एजेंसियां हमेशा टैक्सी और रिक्शा मालिकों के पक्ष में फैसले लेती हैं, जबकि यात्रियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाता।

कम दूरी के यात्रियों को राहत मिले

यात्री, विशेष रूप से महिलाएं, अक्सर १ किलोमीटर या उससे भी कम दूरी के लिए टैक्सी-रिक्शा का उपयोग करती हैं।

बच्चों को स्कूल छोड़ने, डॉक्टर के पास जाने या अन्य छोटे कामों के लिए कम दूरी की यात्रा की जाती है।

लेकिन इतनी कम दूरी के लिए भी यात्रियों को १.५ किलोमीटर का किराया देना पड़ता है।

रिक्शा के लिए २३ रुपये और टैक्सी के लिए २८ रुपये चुकाने पड़ते हैं।

यदि किराए की पहली स्लैब १ किलोमीटर की कर दी जाए, तो कम दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी।

रिक्शा का किराया लगभग १५ रुपये और टैक्सी का किराया लगभग २० रुपये हो सकता है।

इससे टैक्सी-रिक्शा का उपयोग बढ़ेगा और ड्राइवर-मालिकों के व्यवसाय को भी फायदा होगा।

इसीलिए सरकार को किराए की पहली स्लैब को १ किलोमीटर करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

वेटिंग चार्ज को लेकर भी आपत्ति

वर्तमान नियम के अनुसार, यदि वाहन ३० सेकंड से अधिक समय तक रुका रहता है, तो वेटिंग चार्ज ड्राइवर को दिया जाता है। लेकिन इस नियम को लागू करते समय यात्रियों के हितों की अनदेखी की गई है।

उदाहरण के तौर पर:

यदि कोई यात्री १.२ किलोमीटर की यात्रा करता है, तो पहले स्लैब (२३ रुपये) की कुछ राशि बची होती है, जिसमें वह ३०० मीटर और यात्रा कर सकता है।

लेकिन अगर इसी दौरान ट्रैफिक में वाहन फंस जाता है, तो वेटिंग चार्ज जुड़कर किराया २५-२६ रुपये हो जाता है।

हकीकत में, बची हुई किराया राशि को वेटिंग चार्ज के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए, ताकि यात्रियों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। इसलिए जनता दल ने मांग की है कि वेटिंग चार्ज केवल १ या १.५ किलोमीटर की यात्रा पूरी होने के बाद ही लागू किया जाए।

संतोष देशमुख हत्या मामले की जांच के लिए तहलियानी कमेटी गठित, क्या हैं कमेटी के विशेष अधिकार?

मुंबई, १५ जनवरी (तामीर न्यूज़)

महाराष्ट्र सरकार ने मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड की जांच के लिए पूर्व न्यायाधीश एम.एल. तहलियानी की अध्यक्षता में एक विशेष समिति गठित की है। अब इस मामले की जांच सीआईडी (उखऊ) और एसआईटी (डखढ) के साथ-साथ तहलियानी कमेटी भी करेगी।

राज्य सरकार ने एक आधिकारिक आदेश (जीआर) जारी किया है, जिसमें पूर्व न्यायाधीश एम.एल. तहलियानी की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच समिति के गठन की पुष्टि की गई है।

कौन हैं जस्टिस एम.एल. तहलियानी?

पूर्व न्यायाधीश एम.एल. तहलियानी को संतोष देशमुख हत्या मामले की जांच की बड़ी ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

वे मुंबई २६/११ आतंकवादी हमले के मुकदमे में न्यायाधीश रह चुके हैं।

वे प्रसिद्ध गायक और संगीतकार गुलशन कुमार हत्याकांड के मुकदमे की भी सुनवाई कर चुके हैं।

सरकारी आदेश (जीआर) में क्या कहा गया है?

महाराष्ट्र विधानसभा के २०२४ के शीतकालीन सत्र में विधायकों द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब में, मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था कि मसाजोग, तालुका केज, जिला बीड के सरपंच संतोष पंडितराव देशमुख की हत्या की न्यायिक जांच के लिए एक समिति बनाई जाएगी।

अब सरकार ने इस पर फैसला लेते हुए जस्टिस एम.एल. तहलियानी की अध्यक्षता में एक सदस्यीय न्यायिक जांच समिति के गठन को मंजूरी दे दी है।

जांच समिति के कार्य:

इस समिति को निम्नलिखित पहलुओं की जांच करनी होगी:

संतोष देशमुख की हत्या के घटनाक्रम, कारणों और प्रभावों का अध्ययन।

क्या इस घटना के लिए कोई व्यक्ति या संस्था प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार थी, इसकी जांच।

जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई तैयारियों की पर्याप्तता का मूल्यांकन।

इस घटना से निपटने के लिए पुलिस द्वारा उठाए गए कदम उचित थे या नहीं, इसकी समीक्षा।

उपर्युक्त बिंदुओं के आधार पर ज़िम्मेदारियों का निर्धारण। भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान सुझाना।

इस घटना से संबंधित किसी भी अन्य महत्वपूर्ण जानकारी का खुलासा करना।

जांच समिति के विशेष अधिकार:

समिति किसी भी व्यक्ति को पूछताछ के लिए बुलाने का अधिकार रखती है।

समिति को किसी भी भवन या परिसर में प्रवेश करने, या किसी को अधिकृत करने, और किसी भी संदिग्ध दस्तावेज, खाता या रिकॉर्ड को जब्त करने का अधिकार होगा।

समिति की कार्यवाही न्यायिक प्रकृति की होगी।

समिति का मुख्यालय बीड में रहेगा, और यह अपनी कार्यप्रणाली स्वयं तय करेगी।

समिति को अपनी जांच पूरी कर तीन से छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत करनी होगी। सरकार समिति को कार्यालय, स्टाफ, आवश्यक सामग्री और कंप्यूटर सुविधाएं प्रदान करेगी। साथ ही, समिति के अध्यक्ष को वेतन, भत्ता, सरकारी वाहन और अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी।

सरकार का बड़ा कदम

यह न्यायिक जांच राज्य सरकार द्वारा सीआईडी और एसआईटी की जारी जांच को और मजबूत करने तथा इस मामले के सभी पहलुओं को सामने लाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा-इस्कॉन के अनुयायी श्रीकृष्ण भक्ति के सूत्र में बंधे हैं

खारघर में इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन

मुंबई । विशेष संवाददाता:
सेवा भाव भारतीय आध्यात्मिक संस्कृति की आधारशिला है। दुनियाभर में फैले इस्कॉन के अनुयायी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति के धागे से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को खारघर में इस्कॉन मंदिर के उद्घाटन के दौरान कही। नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन के 'श्री श्री राधा मदनमोहनजी मंदिर' का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी के हाथों संपन्न हुआ। इस मौके पर राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।
प्रधानमंत्री मोदी ने क्या कहा?प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस पवित्र आयोजन में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

उन्होंने कहा कि इस्कॉन के संतों का अपार प्रेम, स्नेह और श्रील प्रभुपाद स्वामी का आशीर्वाद उनके साथ है।

राधा मदनमोहन मंदिर की भव्य संरचना से अध्यात्म और ज्ञान की परंपरा झलकती है। यह मंदिर भक्ति के विभिन्न रूपों का प्रतीक है और 'एकोऽहं बहुस्याम' के विचार को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने के लिए रामायण और महाभारत से जुड़े प्रसंगों पर आधारित एक संग्रहालय तैयार किया जा रहा है।

साथ ही, वृंदावन के १२ वनों की थीम पर आधारित एक भव्य उद्यान भी विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह मंदिर केवल श्रद्धा का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक समृद्धि को दर्शाने वाला एक पवित्र स्थल बनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस्कॉन के सभी संतों, भक्तों और महाराष्ट्र की जनता को इस महान कार्य के लिए बधाई दी।

गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज को श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अगाध भक्ति और उनकी दूरदर्शिता इस भव्य प्रकल्प का एक अभिन्न हिस्सा है।

उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि महाराज शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हैं, लेकिन उनकी आध्यात्मिक उपस्थिति हम सभी महसूस कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्रील प्रभुपाद स्वामी की शिक्षा का उल्लेख किया

उन्होंने कहा कि इस्कॉन के अनुयायी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से जुड़े हुए हैं, और उन्हें सतत मार्गदर्शन देने वाली श्रील प्रभुपाद स्वामी की शिक्षाएं इस आध्यात्मिक श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

श्रील प्रभुपाद स्वामी ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के समय वेद, वेदांत और भगवद गीता का प्रचार किया और भक्तिवेदांत को आम जनता से जोड़ा। आज भी, दुनियाभर में लाखों लोग उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा ले रहे हैं।

भारत केवल एक भूभाग नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा से भरी जागृत भूमि है - मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं से घिरा हुआ कोई भूभाग नहीं, बल्कि एक ऊर्जावान संस्कृति और जीवंत सभ्यता है।उन्होंने कहा कि अध्यात्म भारत की आत्मा है, और यदि किसी को भारत को समझना है, तो उसे पहले अध्यात्म को अपनाना होगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जो लोग दुनिया को केवल भौतिक दृष्टिकोण से देखते हैं, वे भारत को विभिन्न भाषाओं और क्षेत्रों के समूह के रूप में देखते हैं। लेकिन जब कोई अपनी आत्मा को इस सांस्कृतिक चेतना से जोड़ता है, तब उसे असली भारत नजर आता है।

सेवा ही सच्चा आध्यात्म है - प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सेवा भारतीय आध्यात्मिक संस्कृति का मूल आधार है।

अध्यात्म में भगवान की सेवा ही जनता की सेवा होती है।

उन्होंने सरकार की जनहितकारी योजनाओं को भी इस सेवा भाव से जोड़ते हुए कहा:

हर घर में शौचालय निर्माण।

उज्ज्वला योजना के तहत गरीब महिलाओं को गैस कनेक्शन।

हर घर में नल से पानी पहुंचाने की योजना।

गरीबों को ५ लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा।

७० साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को विशेष स्वास्थ्य सेवाएं।

हर बेघर व्यक्ति को पक्का घर देने की योजना।

उन्होंने कहा कि ये सभी योजनाएं सेवा भावना से प्रेरित हैं, और यही सेवा सच्चे सामाजिक न्याय और वास्तविक धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक है।

मंदिर की विशेषताएं

श्री श्री राधा मदनमोहनजी मंदिर, इस्कॉन का भव्य प्रोजेक्ट खारघर में ९ एकड़ में फैला हुआ है।

इस परिसर में:

विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर।

एक वैदिक शिक्षण केंद्र।

रामायण और महाभारत पर आधारित संग्रहालय।

एक विशाल सभागार।

आध्यात्मिक उपचार केंद्र।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस मंदिर को आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र और भारतीय संस्कृति की समृद्धि का प्रतीक बताया।

प्रधानमंत्री मोदीने महायुती के मंत्रियों और विधायकों को दिए महत्वपूर्ण निर्देश!

मुंबई । जमीर काजी

मुंबई दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज महायुती के मंत्रियों और विधायकों को करीब डेढ़ घंटे मार्गदर्शन दिया। इस दौरान उन्होंने सरकार की कार्यशैली और विकास योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करने के मूल मंत्र समझाए।

मुंबई में नौसेना के आंग्रे सभागार में आयोजित इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने संगठन कौशल को मजबूत करने, अध्ययन दौरे करने और विकास कार्यों के जरिए विपक्ष को जवाब देने के लिए हमेशा सक्रिय रहने की सलाह दी।

नौसैनिक कार्यक्रम और मंदिर उद्घाटन के बाद बैठक

प्रधानमंत्री मोदी ने आज सुबह मुंबई डॉकयार्ड में 'आईएनएस सूरत', 'आईएनएस नीलगिरी' युद्धपोत और 'आईएनएस वाघशीर' पनडुब्बी का उद्घाटन किया। दोपहर में उन्होंने खारघर स्थित इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन किया।

इससे पहले, नौसेना के कार्यक्रम के बाद नेवी के आंग्रे सभागार में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस के सभी मंत्रियों और विधायकों के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव में महायुती को भारी बहुमत मिलने पर प्रधानमंत्री मोदी ने सभी को बधाई दी और कुछ महत्वपूर्ण सलाह दी।अपने भाषण में मोदी ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे का भी उल्लेख किया और कहा कि जैसे उन्होंने २०११ में गुजरात दौरा किया था, वैसे ही विधायकों को अध्ययन दौरे करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब काम से दें, न कि श्रेय विवादों के जरिए।उन्होंने जनता के बीच अधिक समय बिताने, लोगों की राय जानने और अन्य राज्यों या निर्वाचन क्षेत्रों की सफल योजनाओं का अध्ययन करने की सलाह दी। इसके अलावा, अपने कार्यों के लिए ठोस योजना बनाकर उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कुठे आहेत सरकारचे 'अच्छे दिन'?

१२ दिवसाच्या तानुल्यासह मातेचे आंदोलन

विशेष प्रतिनिधी

मुंबई, : १२ दिवसाचे तानुले बाळ घेऊन मी आझाद मैदानात शेतात मजुरी केलेल्या कामाची मजुरी मिळावी म्हणून न्याय मागण्यासाठी आले आहे. शेतात काम केल्यानंतर जर मला मजुरी मिळत नसेल तर सरकारचे अच्छे दिन कुठे आहेत ? असा सवाल सीमा काळे या मातेने राज्य सरकारला केला आहे.

अहमदनगर जिल्ह्यातील सीमा काळे व त्यांच्या सोबत इतर ३० ते ३५ शेतमजूर महिला आपले प्रश्न घेऊन आंदोलन करत आहेत. सीमा काळे यांचे १२ दिवसाचे बाळ या आंदोलनात चर्चेचा विषय ठरला. मैदानातील धूळ व शेजारी सुरू असलेल्या मेट्रो कामाच्या क्रेन चा कर्कश आवाज त्या १२ दिवसाच्या बाळाला सहन होत नव्हता. महिला पोलीस बाळाच्या आईला सांगत होत्या की, बाळाला कशाला घेऊन आला आहात. त्यावर ती माता डोळे पानावत म्हणाली, आम्ही शेतमजूर पारधी समाज कुठेही राहतो. त्यामुळे आझाद मैदान काय किंव्हा रस्त्यावर काय ' आम्हाला कुठेही राहण्याची सवय या सरकारने लावली आहे.

जिल्हा अहिल्यानगर (पूर्वीचा अहमदनगर) येथील सचिन भन्साळी, संगीता बोरा, सुदर्शन डुंगरवाल या जमीन मालकांनी आमच्याकडुन शेतात मजुरी करून घेतली मात्र त्याचे मोल दिले नाही. असे सीमा काळे व नटी भोसले यांनी सांगितले. सरकारने जर आम्हाला न्याय दिला नाही तर या बाळाला घेऊन मी व इतर महिला रस्त्यावर बसू असा इशाराही त्यांनी दिला.

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com
daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com